AF-2040

B.A. Regular (Part - I)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Sanskrit Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

इकाई - I

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए : 20

(क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालन निर्मलापि कालुष्यमुपयाति वुद्धि। अनुज्झित धवलतापि सरागैब भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्क पत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरति दूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः।

(ख) न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते,। न रूपमालोकयते। नकुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न क्षुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति। न सत्यमववुध्यते। न लक्षणं प्रमाणी करोति। गन्धर्व नगरलेखेव पश्यत एव नश्यति।

(ग) सप्तच्छद तरव इव कुसुमरजोविकारैरासन्नवर्तिनां शिरः शूलमुत्पादयन्ति। आसन्न मृत्यव इव वन्धुजनमपि नाभिजानन्ति। उत्कुपिट लोचना इव तेजस्विनो नेक्षन्ते। कालदष्टा इव महामन्त्रेरपि न प्रतिवुध्यते। जातुषाभरणानीव सोष्माणं न सहन्ते।

इकाई - II

2. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 20

(क) अनेक संशयोच्छेदि परोक्षार्थस्य दर्शकम्।
सर्वस्य लोचनं शास्त्रं यस्य नास्त्यन्धएव सः॥

(ख) इज्याध्ययनदानानि, तपः सत्यं धृतिः क्षमा।
अलोभ इति भार्गोऽयं धर्मस्याष्टविधः स्मृतः॥

(ग) परोक्षे कार्यहन्तारं, प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेत् तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्॥

(घ) निदानमिव मण्डूकाः सरः पूर्णमिवाण्डजाः।
सोद्योगंनरमायान्ति विवशाः सर्वसम्पदः॥

इकाई - III

3. (क) शुकनासोपदेश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्—इस कथन का भावार्थ लिखिए।

(ख) चित्रग्रीव कपोत तथा हिरण्यक चूहे की कहानी अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

हितोपदेश की कथा की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

इकाई - IV

4. संस्कृत नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 15

अथवा

किन्हीं दो कथाग्रन्थों का सम्यक् परिचय दीजिए।

इकाई - V

5. महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

किन्हीं **दो** का परिचय दीजिए :

(क) शिवराजविजयम्

(ख) महाकवि माघ

(ग) नैषधीय चरितम्

(घ) किरातार्जुनीयम्